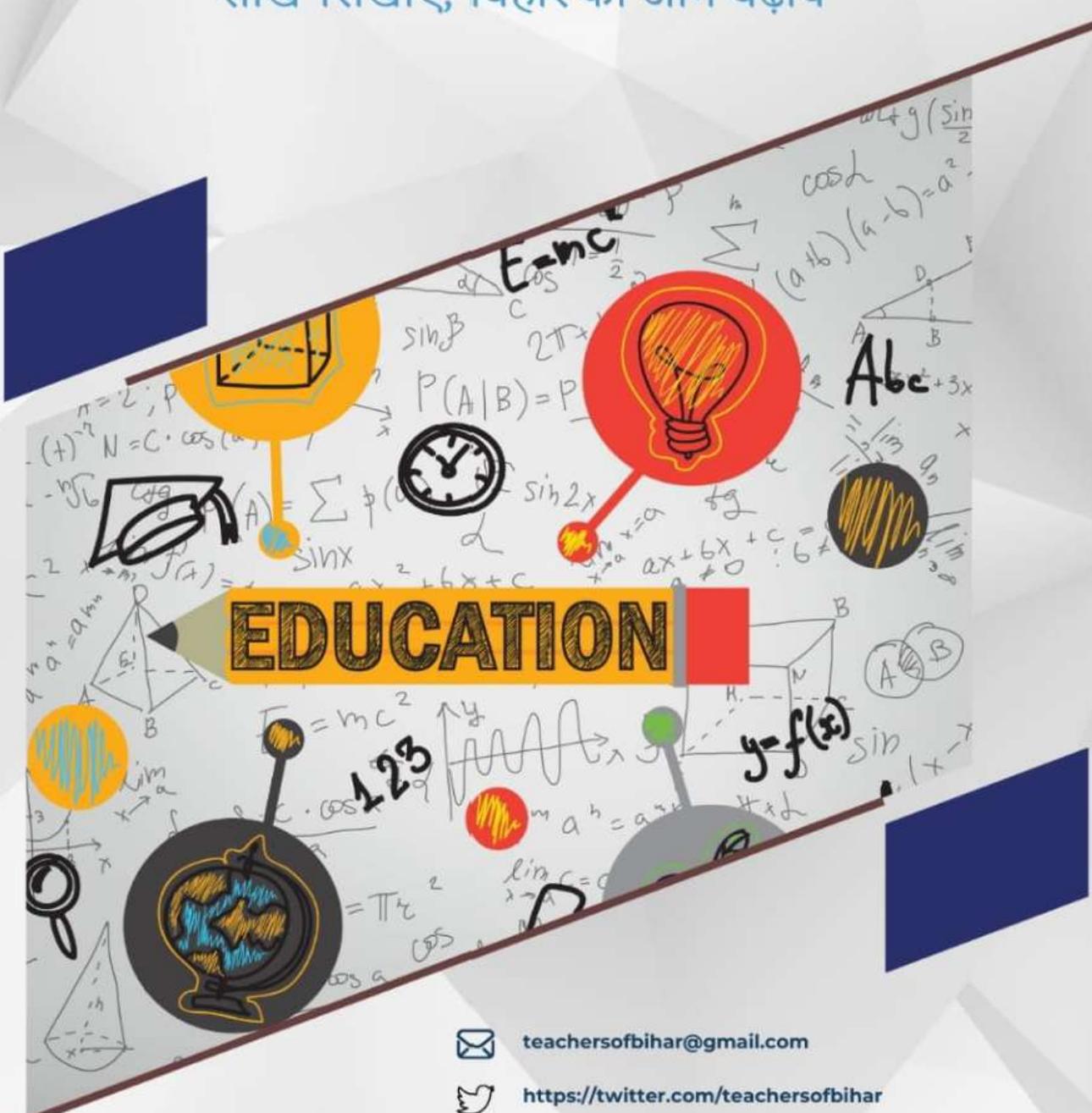




TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें



teachersofbihar@gmail.com



<https://twitter.com/teachersofbihar>



<https://www.youtube.com/c/teachersofbihar>



07 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

बुरे व्यक्ति का मन हमेशा पश्चाताप
से भरा होता है।

अरस्तू



राकेश कुमार



www.teachersofbihar.org



Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com



दिवस ज्ञान

07
फरवरी



Gyan Drishti



Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार 07 फरवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल नं०– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

“स सुहृद् व्यसने यः स्यात्”
—पंचतंत्र
जे विपत्ति में साथ हो वही
मित्र है।

“A friend in need is friend
indeed.”



आज के दिन

1856 – अवध के नवाब वाजिद अली शाह को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने गद्दी छोड़ने पर मजबूर किया। पुरे अवध पर कंपनी का कब्जा हो गया।

1856– तस्मानिया की संसद ने दुनिया में पहली बार गोपनीय मतपत्र की व्यवस्था की।

1921– बिहार एवं उड़ीसा लेजिस्लेटिव काउंसिल की प्रथम बैठक का उद्घाटन हुआ। इस बैठक की अध्यक्षता सर मूडी ने की।

1983– कोलकाता में ईस्टर्न न्यूज एजेंसी की स्थापना।

1992– स्वदेश निर्मित पहली पनडुब्बी 'INS शाल्की' को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

1962– फिदेल कास्त्रो ने क्यूबा के लिए नए संविधान की घोषणा की।

1. **गुलाब दिवस**— गुलाब प्रेम और मित्रता का प्रतीक है। गुलाब का फूल कोमलता और सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। गुलाब को 'फूलों का राजा' कहा जाता है। गुलाब को अंग्रेजी में रोज, तमिल में इराषा, बंगला में गोलाप, फारसी में गुलाब कहा जाता है। इसके अलावे अपनी रंगीन पंखुडियों के कारण 'पाटल', सदैव तरुण होने के कारण 'तरुणी', शत पत्रों से घिरे होने के कारण 'शतपत्री', सुन्दर केशरयुक्त होने के कारण 'चारुकेशर', लालिमा के कारण 'लाक्षा' के नाम से भी जाना जाता है। नेहरू जी को भी गुलाब काफी प्रिय था। गुलाब से कई सौन्दर्य सामग्री का निर्माण किया जाता है। रामवृक्ष बेनीपुरी ने इसे संस्कृति का प्रतीक कहा है। यूरोप के दो देशों ब्रिटेन और ईरान का राष्ट्रीय पुष्प भी गुलाब ही है।

- क्या करें? बच्चों को 'रोज गार्डन' (घण्टीगढ़) के बारे में बतायें। गुलाब की खेती करने के तरीकों पर भी चर्चा कर सकते हैं।

2. **चार्ल्स डिकेंस का जन्मदिन**— विक्टोरियन युग के सबसे लोकप्रिय अंग्रेजी उपन्यासकार चार्ल्स डिकेंस का जन्म 7 फरवरी, 1812 ई. को हुआ था। चार्ल्स डिकेंस के पिता मामूली सरकारी क्लर्क थे। वे सदा आमदनी से अधिक खर्च करते थे और इस कारण आजीवन आर्थिक संकट झेलते रहे। जब वह छोटे थे, उनके पिता ऋणग्रस्त होने के कारण जेल गए और डिकेंस को जूते को पालिश बनाने वाली एक फैक्टरी में काम करना पड़ा। उनकी मां भी बहुत समझदार नहीं थी और डिकेंस की शिक्षा के खिलाफ थीं। इस अनुभव को डिकेंस ने अपने दो उपन्यासों 'डेविड कॉपरफिल्ड' और 'लिटिल डॉरिट' में अंकित किया है। डिकेंस की अन्य प्रसिद्ध रचनाओं में 'ऑलिवर ट्विस्ट', 'निकोलस निकिलवी', 'ग्रेट एक्सपेक्शंस' आदि हैं।



दिवस प्रेरणा 34

फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट

(अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति)



अपंगता के बावजूद चुनाव लड़ा और जीता...

संघर्ष

रूजवेल्ट को चौदह साल की उम्र तक निजी तौर पर घर पर शिक्षित किया गया था। वर्ष 1920 में उन्होंने उपराष्ट्रपति का चुनाव लड़ा लेकिन हार गये। अपने युवाकाल में न्यूयार्क स्टेट सीनेट के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। प्रचार अभियान के क्रम में उनके साथ एक घटना घट गई। वे एक नदी में स्नान करने के लिए उतरे। जैसे ही नदी में डुबकी लगायी उनका एक तरफ के अंग को लकवा मार गया। अब यह चल नहीं सकते थे। डॉक्टरों ने लंबे समय तक घर पर रहने की सलाह दी। लोगों को लगा कि अब उनका राजनीतिक करियर समाप्त हो गया। लेकिन सभा में रूजवेल्ट कीलवेयर पर ही आये और जोरदार भाषण दिया।

सफलता

वे चुनाव जीत गये। अपनी अपंगता के बाद भी वे अन्य चुनाव में हिस्सा लेते रहे और अन्ततः अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति बने। वे राष्ट्रपति पद के लिए चार बार चुने गए और 1933 से 1945 तक इस पद पर रहे। अमेरिका में कोई भी व्यक्ति दो से अधिक बार के लिए राष्ट्रपति नहीं चुना जा सकता लेकिन वे अमेरिका के पहले राष्ट्रपति थे जिन्होंने दो बार से ज्यादा इस पद की शोभा बढ़ाई।

संस्करण : शशिधर उज्ज्वल
प्रस्तुति: शशिधर उज्ज्वल

ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
contact us : www.teachersofbihar.org & info@teachersofbihar.org



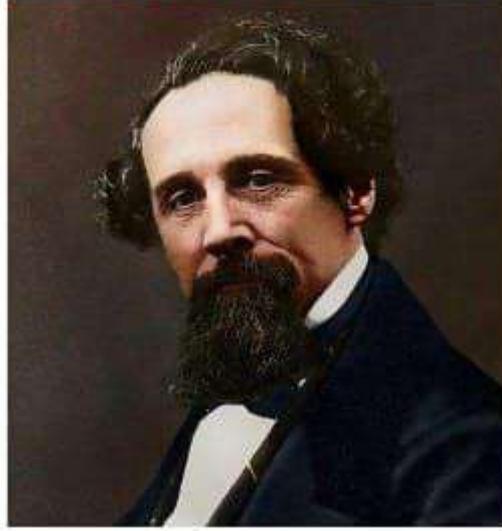
दिवस विशेष

7 फरवरी



मधु प्रिया

चार्ल्स डिकेंस का जन्म 7 फरवरी



चार्ल्स डिकेंस का जन्म 7 फरवरी 1812 में हुआ था। डिकेंस विक्टोरियन युग के सबसे लोकप्रिय अंग्रेजी उपन्यासकार थे, साथ ही एक सशक्त सामाजिक आंदोलन के सदस्य भी थे। चार्ल्स डिकेंस की लोकप्रियता इसी तथ्य से आंकी जा सकती है कि उनके उपन्यास और लघु कथाएँ आज तक 'प्रिंट' से बाहर ही नहीं गये। चार्ल्स के लगभग दर्जन भर प्रमुख उपन्यास, लघु कथाओं की एक बड़ी संख्या, अनेकों नाटक और कई गैर कल्पना किताबें आज भी सबसे अधिक लोकप्रिय हैं। अपने साहित्य से उन्होंने समकालीन अंग्रेजी समाज का मनोरंजन ही नहीं किया, वरन् उसे दिशा भी दी। डिकेंस के पिता मामूली सरकारी क्लर्क थे, वे सदा आमदनी से अधिक, खर्च करते थे और इस कारण आजीवन आर्थिक संकट झेलते रहे। जब वह छोटे थे, उनके पिता ऋणग्रस्त होने के कारण जेल गए और डिकेंस को जूते को पालिश बनानेवाली एक फैक्टरी में नौकरी करनी पड़ी। इस अनुभव को डिकेंस ने दो उपन्यासों "डेविड कॉपरफील्ड" और "लिटिल डॉरिट" में अंकित किया है। डिकेंस की माँ बहुत समझदार न थीं और उनकी शिक्षा के विरुद्ध थीं। उनका क्रूर चित्र मिसेज़ निकिलबी नाम के पात्र में है। उनके पिता के चित्र मिस्टर मिकौबर और मिस्टर डॉरिट हैं।

डिकेंस की प्रसिद्ध रचनाओं में "बौज़ के स्कैच" "पिकविक पेपर्स" "ऑलिवर ट्विस्ट", "निकोलस निकिलबी", "ओल्ड क्यूरीऑसिटी शॉप", "बार्नबी रज", "मार्टिन चज़िलविट", "डुंबी और उसका पुत्र", "डेविड कॉपरफील्ड", "ग्रेट ऐक्सपेक्शंस", "दो नगरों की कथा" आदि दर्जनों विश्वविख्यात उपन्यास हैं।



Teachers of Bihar

The change makers

जयंती विशेष 07 फरवरी राकेश कुमार



भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रान्तिकारी
तथा सिद्धहस्त लेखक

मन्मथनाथ गुप्त जी

मन्मथनाथ गुप्त

Manmath Nath Gupta जन्म: 7

फरवरी, 1908; मृत्यु: 26 अक्टूबर, 2000) भारतीय स्वतन्त्रता
संग्राम के एक प्रमुख क्रान्तिकारी तथा सिद्धहस्त लेखक थे।

इन्होंने हिन्दी, अंग्रेज़ी तथा बांग्ला में आत्मकथात्मक, ऐतिहासिक
एवं गल्प साहित्य की रचना की है। ये मात्र 13 वर्ष की आयु में ही
स्वतन्त्रता संग्राम में कूद गये और जेल गये। बाद में वे हिन्दुस्तान
रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य भी बने और 17 वर्ष
की आयु में उन्होंने सन् 1925 में हुए काकोरी काण्ड में सक्रिय
रूप से भाग लिया।



www.teachersofbihar.org



Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 07.02.2025

विरेचन सिद्धांत

अरस्तू के विरेचन सिद्धांत के मुताबिक, कला और साहित्य के ज़रिए मन के दूषित भावों का उचित निष्कासन होता है. इसे 'कैथार्सिस' (Catharsis) भी कहते हैं. अरस्तू ने इस सिद्धांत के ज़रिए कला और साहित्य की महत्ता को स्थापित किया।



www.teachersofbihar.org



रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar



अब तक माउंट एवरेस्ट पर हजारों लोग चढ़ चुके हैं चांद पर कुल 12 लोग गए हैं लेकिन समुद्र के सबसे गहरी पॉइंट मरियाना ट्रेंच में सिर्फ 3 लोग ही जा पाए हैं



स्रोत:
प्रभा साक्षी

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर



इक्वेस्ट्रियन गेम क्या है?

घुड़सवारी एक खेल है, जिसमें घुड़सवार एक घोड़े की पीठ पर सवार होकर हुनर का प्रदर्शन करता है।

रेतीली सतह: कर्षण के लिए मजबूत लेकिन घोड़े के पैरों पर प्रभाव को सीमित करने के लिए पर्याप्त नरम

ड्रेसेज:

ड्रेसेज में कई टेस्ट होते हैं, जिसमें घोड़े और घुड़सवार को एक तय मूवमेंट वाले रूटीन का प्रदर्शन करने के लिए अंक दिए जाते हैं।

सामंजस्य: राइडर सूक्ष्म संकेतों से घोड़े को निर्देशित करता है।



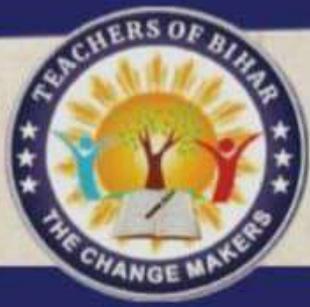
जंपिंग: जंपिंग में घोड़े और सवार कई बाधाओं को पार करने की कोशिश करते हैं जो एक तय मार्ग को फॉलो करते हुए आगे बढ़ते हैं।



इवेंटिंग:

चार दिवसीय प्रतियोगिता में ड्रेसेज, क्रॉस-कंट्री और जंपिंग शामिल हैं।
क्रॉस कंट्री: 6.8 किमी की कठिन दूरी और 40-45 छलांगें, घोड़े और सवार की गति, शक्ति और साहस का परीक्षण।





विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

कोबाल्ट (Cobalt)

संकेत -
(Symbol)**Co**परमाणु संख्या -27
(Atomic no.)परमाणु भार
(A.weight) -58.933

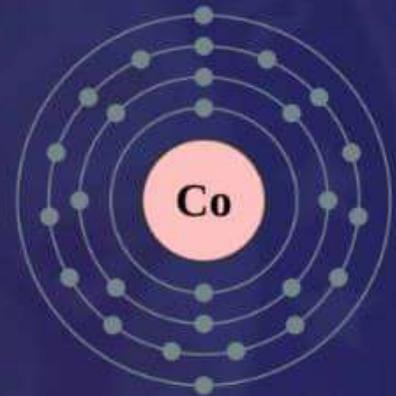
समूह(group) -9

आवर्त(period) -4

ब्लॉक(block) -d

संयोजकता(valancy) -2

समस्थानिक(Isotopes) -5

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -[Ar]3d⁷4s²खोज

1735, जॉर्ज ब्रांट

भौतिक गुण

भंगुर, तन्य, कठोर, ग्रे रंग की फेरोमैग्नेटिक धातु

रासायनिक गुण

कठोर अम्लों में धुलनशील, हवा पानी से अप्रभावित

उपयोग

चुंबक, उत्प्रेरक, चिकित्सा, खान संरक्षण, मिश्र धातु



माता रमाबाई (रमाबाई) अम्बेडकर



जन्म-7 फरवरी 1898

मृत्यु-27 मई 1935



Madhu priya

www.teachersofbihar.org